मिग-21 को विदाई

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस]

भारतीय वायु सेना (IAF) ने **छह दशकों से अधिक की सेवा के अंत** और भारत की रक्षा यात्रा में इसकी स्थायी विरासत का जश्न मनाते हुए प्रसिद्ध [मिकोयान-गुरेविच मिग-21] को विदाई दी।

- **MiG-21:** यह **सोवियत संघ के मिकोयान-गुरेविच डिज़ाइन ब्यूरो** द्वारा विकसित एक **एकल-इंजन, एकल-सीटर, बहु-भूमिका वाला सुपरसोनिक लड़ाकू विमान** है। इसे वर्ष 1963 में एक इंटरसेप्टर के रूप में **भारतीय वायु सेना** में शामिल किया गया था और बाद में इसे ज़मीनी हमले और अन्य लड़ाकू भूमिकाओं के लिये उन्नत किया गया।
- **बहुआयामी क्षमता:** **'सभी मौसमों के पक्षी (Bird of all seasons)'** के रूप में जाना जाने वाला मिग-21 एक **इंटरसेप्टर, ग्राउंड-अटैक एयरक्राफ्ट, फ्रंटलाइन एयर डिफेंस जेट और ट्रेनर** के रूप में उत्कृष्ट रहा, जिसने भारतीय लड़ाकू पायलटों की कई पीढ़ियों का निर्माण किया तथा **भारत की हवाई रणनीति** को आकार दिया।
- **उन्नयन एवं अनुकूलनशीलता:** **त्रिशूल, विक्रम, बादल और बाइसन** जैसे संस्करणों में विकसित। मिग-21 को **आधुनिक रडार, वैमानिकी और हथियारों** के साथ निरंतर उन्नत किया गया।
- **विरासत और महत्त्व:** मिग-21 **साहस, अनुशासन और देशभक्ति** का प्रतीक है, जिसने [हल्के लड़ाकू विमान (LCA) तेजस] तथा आगामी [उन्नत मध्यम लड़ाकू विमान (AMCA)] जैसे प्लेटफार्मों को प्रेरित किया।
  - इसने [भारत-पाक युद्ध (1971)], [कारगिल संघर्ष], [बालाकोट एयर स्ट्राइक] **और** [ऑपरेशन सिंदूर] में निर्णायक भूमिका निभाई।
  - हालाँकि, दशकों लंबी सेवा के दौरान परिचालन हानि और दुर्घटनाओं की उच्च दर के कारण इसे **फ्लाइंग कॉफिन (Flying coffin)** भी कहा जाता है।

और पढ़ें: [मिग-21 क्रैश]